केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 57 गुरूवार 19 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की दिशा में एक कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसको लेकर पीएम मोदी ने ट्वीट किया है। अपने पोस्ट में मोदी ने लिखा कि कैबिनेट ने एक साथ चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास का नेतृत्व करने और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला से परामर्श करने

के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी को बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि यह हमारे लोकतंत्र को और भी अधिक जीवंत और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत परिवर्तनकारी सुधारों का गवाह बन रहा है। आज, इस दिशा में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के साथ, भारत ऐतिहासिक चुनाव सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह स्वच्छ और वित्तीय रूप से कुशल चुनावों के माध्यम से हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने और संसाधनों के अधिक उत्पादक आवंटन के माध्यम से आर्थिक विकास में तेजी लाने की मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूँ। केंद्रीय कैबिनेट ने आज देशहित में एक बड़ा फैसला लिया है. मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करता हूं कि वे इसमें राजनीति न करें और राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखें।

जम्मू कश्मीर चुनावः पहले चरण में 24 सीटों पर मतदान

नई दिल्ली (आभा)। जम्मू–कश्मीर में बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान संपन्न हो गया। पहले चरण में 24 सीटों पर पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती समेत 219 उम्मीदवार मैदान पर थे। जम्मू–कश्मीर निर्वाचन आयोग ने पोलिंग बूथ पर लोगों की भारी संख्या को देखते हुए उम्मीद जताई कि इस बार रिकॉर्डतोड़ मतदान हो सकता है। पहले चरण में शाम

पांच बजे तक 58.19 प्रतिशत मतदान हुआ।

बुधवार को जम्मू–कश्मीर के सात जिलों की 24 विधानसभा सीट पर मतदान हुआ। 24 सीटों पर 90 निर्दलीय सहित 219 उम्मीदवार मैदान में थे। विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिले के 16 विधानसभा क्षेत्रों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद यह पहली बार है जब जम्मू–कश्मीर में लोगों ने मतदान किया। पोलिंग बूथ पर सुरक्षा के व्यापक इंतेजाम किए गए थे।

इस चरण में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती (श्रीगुफवारा–बिजबेहरा), अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव एवं पूर्व मंत्री गुलाम अहमद मीर आदि का चुनावी भाग्य इवीएम में कैद हो गया।

दबंगों ने ढहा दिया छप्पर, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर मंझरिया निवासिनी कलावती पत्नी भुईलोटन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कलावती ने कहा है कि वह सड़क किनारे लगभग 60 साल से छप्पर डालकर जीवन यापन कर रही है। गत 17 सितम्बर को गांव के ही राम संचित पुत्र पराग, कृष्णचन्द्र, रणजीत, श्याम चन्द्र पुत्र सागर एवं सागर उसके छप्पर को उजाड़ कर फेंकने लगे। जब उसकी नतिनी आंचल विडियो बनाने लगी तो उक्त लोगों ने मोबाइल छीन लिया

और उसे तथा मुझे मारा पीटा। उक्त लोगों ने उसकी लड़की गीता का कपडा फाड़ कर अपमानित किया और कान में पहना हुआ सोने का झाला छीन लिया। लोगों के आ जाने पर उक्त लोग जान से मार देने की धमकी देते हुये चले गये।

एसपी को दिये पत्र में कलावती ने कहा है कि उक्त लोग छप्पर में रखा बरतन, सामान आदि उठा ले गये। उसकी जमीन पर वे अपना मकान बनवाना चाहते हैं। उसके पास रहने को कोई घर भी नहीं है। मुण्डेरवा पुलिस को घटना की सूचना दी गई किन्तु पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं किया। उसने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाया है।

निषाद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्रमणि निषाद का किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष अशोक निषाद के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बड़े बन के निकट पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य रविन्द्रमणि निषाद का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। रविन्द्रमणि ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद के दिशा निर्देश के अनुरूप समाज के वंचितों, गरीबों को न्याय दिलाने, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभायें।

निषाद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्रमणि निषाद ने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी है और पार्टी की मजबूती से ही लक्ष्य हासिल होंगे। जिलाध्यक्ष अशोक निषाद ने प्रदेश अध्यक्ष को जनपद के राजनीतिक, सामाजिक स्थितियों की विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि संगठन की मजबूती की दिशा में जमीनी धरातल पर कार्य किये जा रहे हैं।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से दीपू निषाद, शिवशंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, धर्मराज निषाद, मोनू निषाद, अनिल निषाद, गोरख निषाद, अमर निषाद आदि शामिल रहे।

पुण्यतिथि पर समाजवादियों ने बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को उनके पुण्यतिथि पर याद किया। सपा उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबू शिवदयाल सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के जीवनवृत्त से प्रेरणा लेनी होगी। उन्होने वंचितों, शोषितों और समाज के कमजोर लोगों को उनका हक दिलाने के लिये विपरीत हालातों में संघर्ष किया।

सपा नेता जावेद पिण्डारी,

समीर चौधरी, मो. स्वालेह, कैश मोहम्मद, मोहम्मद सलीम, रणजीत यादव रिन्टू, प्रशान्त यादव आदि ने कहा कि शिव दयाल सिंह चौरसिया ने राष्ट्रीय स्तर पर तमाम जरूरतमंद गरीबों, दलितों ,शोषित समस्त पिछड़े वर्गों को सामाजिक,आर्थिक,शैक्षिक और राजनैतिक रूप से जागरूक करने का कार्य किया। 1929 में श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी ने "बैकवर्डे क्लासेस लीग" की स्थापना की । 18 सितम्बर 1995 को श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी हमेशा हमेशा के लिए चिरनिद्रा में सो गये। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पुण्य तिथि पर शिव दयाल सिंह चौरसिया को नमन् करने वालों में भोला पाण्डेय, मो0 दाउद, इरशाद खान, आदित्य पाण्डेय, बलवन्त यादव, विशाल यादव, गिरीश चन्द्र, युनुस आलम, जोखू लाल यादव, रमेश कुमार गौतम, विजय प्रताप यादव, विवेक यादव, राहुल कुमार सोनकर, विशाल सोनकर, रामजीत यादव, गौरीशंकर यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये बाबू शिवदयाल सिंह चौरसियाः गोष्ठी में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । चौरसिया उत्थान समिति द्वारा बुधवार को अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया एडवोकेट एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य के 30 वीं पुण्य तिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये पूर्व राज्यमंत्री कैलाशनाथ चौरसिया ने कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह ने चौरसिया समाज को एक जुट करने की दिशा में जो कार्य किया उसे आगे बढाने की जरूरत है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि बदलते परिवेश में चौरसिया समाज को अपने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिदृश्य के लिये एक जुटता बनाये रखनी होगी।

गोष्ठी को प्रो. लक्ष्मण यादव, विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, रामेश्वर चौरसिया के साथ ही चिरंजीव चौरसिया, जनक नन्दनी चौरसिया, हजारीलाल चौरसिया, राकेश चौरसिया, राम करन चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, दिलीप चौरसिया, शिवदयाल के प्रपोत्र दीपक चौरसिया, कृष्णा चौरसिया, सोनी, चौरसिया, ईशू चौरसिया, विजय चौरसिया आदि ने चौरसिया समाज के इतिहास, उत्थान, सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक भागीदारी और शिक्षा से ही समस्याओं का हल निकलेगा।

अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में कोताही न करें। सम्मेलन में चौरसिया समाज के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षेत्र में योगदान एवं स्थिति तथा राजनीतिक एकजुटता पर विचार विमर्श कर निर्णय लिये गये।

चौरसिया उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष संजय चौरसिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि गोष्ठी में जो विचार आये हैं उसे जमीनी धरातल पर उतारने की पहल किया जायेगा। संचालन करते हुये रामजीत चौरसियां ने समाज की समस्याओं और संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

चौरसिया उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष संजय चौरसिया ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक धर्मेन्द्र चौरसिया, रामकरन चौरसिया, कोर कमेटी सदस्य रामजीत चौरसिया, रामतीर्थ चौरसिया, रामशंकर चौरसिया, अजय चौरसिया, सुखराम चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, विन्देश्वरी चौरसिया, राजू चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, ननम चौरसिया के साथ ही ज्ञानी चौरसिया, महेश चौरसिया, प्रमोद चौरसिया, बंशराज, सौरभ, आशीष, आलोक, श्याम, राजू, हीरालाल चौरसिया, राजेश, शिव प्रसाद, राजेन्द्र प्रधान, अरविन्द प्रधान, सुनील प्रधान, जितेन्द्र, प्रवीन, शकुन्तला चौरसिया, अच्छेलाल चौरसिया, पंकज चौरसिया, मिथलेश चौरसिया, मंजू चौरसिया, रानी, रश्मि, शिखा, संध्या चौरसिया के साथ ही बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, महराजगंज, देवरिया, फैजाबाद, बाराबंकी एवं बिहार राज्य के अनेक क्षेत्रों से चौरसिया उत्थान समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और चौरसिया समाज के लोगों ने हिस्सा लिया।

विवाद में मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी हरीश चन्द्र पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय चन्द्रशेखर पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दबंगों के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है। पत्र में हरीश चन्द्र पाण्डेय ने कहा है कि गत 15 सितम्बर को जब वह अपने घर जा रहा था तो गांव के ही राहुल पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय राम भरोस, विनीत पाण्डेय पुत्र जगदीश पाण्डेय, यशवीर पाण्डेय पुत्र विनीत पाण्डेय ने शव्वल व राड लेकर उसे बुरी तरह से मारा पीटा। घोरहटा निवासी गरूणेश शुक्ल ने किसी तरह से बीच बचाव कर उनकी जान बचायी। उक्त लोग आर.टी.आई., आई. जी.आर.एस. व झूठी तहरीर देकर लोगों को मुकदमों में फंसाने, परेशान करने का काम करते हैं इसलिये गांव के लोग विवाद में नहीं पड़ना चाहते। उसने लालगंज थाने पर तहरीर दिया किन्तु पुलिस ने न तो डाक्टरी मुआइना कराया न मुकदमा दर्ज किया।

पत्र में हरीश चन्द्र पाण्डेय ने कहा है कि उससे विनीत पाण्डेय पुत्र जगदीश पाण्डेय के खिलाफ तहरीर दिया था जिससे नाराज विनीत पाण्डेय ने उसके साथ ही कई लोगों पर कट्टे से फायर व जान लेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया था। हरीश चन्द्र पाण्डेय ने मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

शिक्षकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बुधवार को शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और बीएसए को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य पूर्ण कराने, गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही करने तथा समायोजन प्रक्रिया की विसंगतियों को दूर करने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद के 385 परिषदीय विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन के लिए धनराशि का भुगतान हो जाने के छः माह बाद भी विद्युत संयोजन का कार्य अधूरा है जिससे शासन द्वारा प्रेषित धन का दुरुपयोग होने की संभावना प्रतीत हो रही है अतः विद्युत संयोजन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के साथ ही जिले के सभी उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी तथा मंडलायुक्त को ज्ञापन देने के बावजूद गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है जिसको लेकर शिक्षकों में काफी रोष है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव और जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र ने कहा कि शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया में काफी विसंगतियां हैं। माननीय उच्च न्यायालय

के आदेश के क्रम में प्राथमिक के प्रधानाध्यापक को जूनियर का सहायक अध्यापक ना माना जाए। साथ ही प्रत्येक उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम से कम तीन शिक्षक विज्ञान और गणित, सामाजिक विज्ञान तथा भाषा के शिक्षक की अनिवार्य रूप से तैनाती हो। बीएसए ने प्रतिनिधि मंडल से बताया कि संघ द्वारा पूर्व में दिए गए पत्रों के आधार पर डीएम द्वारा तहसीलवार उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी और विभागीय खण्ड शिक्षा अधिकारी की एक टीम बनाकर जल्द ही गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही की जायेगी। कहा कि समायोजन की समस्याओं के संदर्भ में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद से मार्गदर्शन मांगा जाएगा और विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य जल्द ही पूर्ण किया जाएगा। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि यदि शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया तो जिले के सभी शिक्षक 25 सितंबर को बीएसए कार्यालय पर धरना देंगे।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीन श्रीवास्तव,संगठन मंत्री अविनाश दुबे, विवेक कान्त पाण्डेय,ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र यादव,सनद पटेल,सुरेश गौड़, अखिलेश पाण्डेय, अनिल पाठक, मंत्री रामभवन, रामपियारे कन्नौजिया, संजय यादव, विजय यादव, राहुल सिंह, सुनील, प्रशांत बारगाह, विवेक सिंह, मुरलीधर शामिल रहे।

–समस्याओं का समाधान न हुआ तो धरना 25 सितम्बर से– चन्द्रिका सिंह

पुण्य तिथि पर याद किये गये पत्रकार अनिल कुमारः नम हुई आंखे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व राज्य सूचना आयुक्त नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बुद्धवार को कहा है कि आज के समय में आसमान्य होकर सामान्य जीवन जीना बहुत ही कठिन है जो सबके बस की बात नहीं है ऐसा कार्य कोई विरले व्यक्तिही कर सकता है।

बुद्धवार को प्रेस क्लब के सभागार में पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव का जीवन एक पाठशाला है जो की अत्यन्त पवित्र है पत्रकारिता हो या सामाजिक जीवन उनका कोई भी शत्रु नहीं रहा उनके मन मे जहां बड़ो के प्रति आदर था वहीं छोटों के भी प्रति अपनापन और लगाव रहा।वो सबको साथ लेकर चलते थे जिसका परिणाम है कि आज उनके चौथे पुण्य तिथि पर इतने सारे लोग एकत्र होकर उनके बारे मे अच्छे–अच्छे विचार और उनसी जुड़ी यादें साझा कर रहे है।

उन्होने कहा कि आज के समय काल मे जब लोगो के पास थोड़ी सी भी समृद्धि या यश की प्राप्ति होती है तो वो अपने आप को सामाज से आगे मानने लगते है और आम अवाम से कट जाते है लेकिन अनिल कुमार श्रीवास्तव एक ऐसे व्यक्तिव्य रहे जो कि प्रशासन से लेकर आमजन गांव,गरीब,किसान सबसे जुड़े रहे जो कि सबके बस की बात नहीं है। हम सभी लोगो को उनके जीवन से एक सबक लेना चाहिए कि किस प्रकार से हम पत्रकारिता को एक मिशन के रूप मे आज भी चला सकते है।

पत्रकार का कर्तव्य है कि समाज को स्वच्छ और सुन्दर बनाने मे अपना अहम योगदान प्रदान करें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव का स्नेह हमें सदैव मिलता रहा है उनका जीवन अत्यन्त सरल और सादगी पूर्ण था खबरो के प्रति वो अतयन्त सजग थे खबर और अफवाह का वो विशलेषण बा खूबी कर लेते थे शायद ही कोई उनका स्थान ले पाये।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव जैसा व्यक्ति पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र मे मेरे जीवन काल मे अभी तक कोई दूसरा नहीं मिला वो सभी को सम्मान देना और उनसे सम्मान प्राप्त करना दोनो जानते थे अपनो के दुख मे चट्टान की तरह खड़े हो जाते थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अनिरूद्ध कुमार त्रिपाठी ने कहा कि स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव ने अपनी खबरो मे कभी भी पक्षपात नहीं किया जो जैसा था उसको वैसा दिखाया पुलिस, प्रशासन,नेता,किसान कोई भी हो अनिल कुमार श्रीवास्तव के इन आदर्शो को बाखूबी जानते थे इसलिए उनका सम्मान भी करते थे।

पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा महेश कुमार शुक्ल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि अनिल श्रीवास्तव ने जो अलख जगाई है ये हमेश जगमगाता रहेगा उनका जीवन एक वट वृक्ष के सामान था जिसकी शाखाओं पर न जाने कितने लोगो को पत्रकारिता का ककहरा सीखने को मिला,अनिल कुमार श्रीवास्तव ने अपने पूरे जीवन काल मे कभी भी मूल्यों से समझौता नही किया वो सच को सच और झूठ को झूठ कहने की हिम्मत रखते थे।

वरिष्ठ साहित्यकार रामनरेश सिंह मन्जुल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि अनिल श्रीवास्तव का जितना रूचि पत्रकारिता मे था उतना ही समाज सेवा मे था उनसे विद्यार्थियों को सहायता मिलती थी जिसमे से आज देश के कई प्रमुख पदो पर बस्ती जनपद के योगदान मे अनिल कुमार श्रीवास्तव का नाम एक प्रकाश स्तम्भ की तरह है जो लोगो को जीवन जीने की कला और मार्ग दर्शन करता रहेगा।

वरिष्ठ समाज सेवक जगदीश

शुक्ल ने कहा कि जन–जन की पीड़ा को बिना किसी भेदभाव के अनिल कुमार श्रीवास्तव खबरो के माध्यम से उठाते थे जिसपर विधानसभा और लोकसभा मे बहस भी होती थी कई नदियों पर पुल न होने का मुद्दा उठा कर उन्होने बस्ती जनपद के कई सड़को पर पुल का निर्माण करने के लिए तत्कालीन सरकारो को सोचनो के लिए विवश कर दिये थे।

वरिष्ठ पत्रकार जयन्त कुमार मिश्रा ने कहा कि अनिल कुमार श्रीवास्तव की लेखनी बहुत ही मजबूत थी खबरो के लिए हमेशा सकिय रहते थे। जब तक समाचार को भेज नही देते थे तब तक वो चौन से बैठते नही थे उनके द्वारा कभी भी खबरो से समझौता नही किया गया है।

सदर ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र मे ही नही समाज मे भी उनके द्वारा बेहतर कार्य किये गये है। उनके द्वारा किये गये कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा छोटी–छोटी खबरो को भी वा उतनी प्राथमिकता देते थे जितनी प्राथमिकता बड़े खबरो को देते थे कम संसाधनो मे न्यूज ऐजेन्सी मे कार्य करते हुए भी कई देकिन अखबारो का संचालन भी करते रहे और आज भी उनके द्वारा स्थापित अखबार चल रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार मजहर आजाद ने कहा कि अनिल कुमार श्रीवास्तव का जीवन बहुत ही उदार था हमेशा उत्साह मे रहते थे खबरो को लेकर हमेशा सक्रिय भूमिका मे रहते थे उनकी प्राथमिकता रहती थी कि पहले खबरो को भेज दे फिर दूसरा कार्य करे।

डुमरियागंज के अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने कहा कि अनिल कुमार श्रीवास्तव का जीवन बहुत संघर्ष शील रहा है और उन्होने संघर्षो से ऐसा मुकाम पाया जो सामान्य व्यक्ति कभी नही पा सकता है कुछ व्यक्ति केवल पद पाते है या कद पाते है लेकिन अनिल कुमार श्रीवास्तव को कद और पद दोनो ही मिला है। हम लोग बचपन मे उनसे मिलने के लिए आते थे बहुत ही सरल स्वभाव के थे आज के समय मे ऐसा व्यक्ति मिलना दुर्लभ है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कुछ

ऐसा ही जीवन अनिल कुमार श्रीवास्तव का रहा है जब संसाधन सीमित थे तब भी उनसे कोई खबर छूटती नही थी लोग कल्याण की खबरो को प्रमुख स्थान देते थे। खबरो को सही समय और सही तथ्यों के साथ रखने का उनका अपना एक अलग अनुभव था। आज के समय मे नई पीढी को भी उनसे सीखना चाहिए कि सीमित संसाधन में लोक कल्याणकारी पत्रकारिता कैसे करना चाहिए। खबरो के मामले मे उनका कोई भी मित्र और शत्रु नही था।

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मी नरायण पाण्डेय ने कहा कि पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव ने अपने जीवन काल मे बहुत ही सराहनीय कार्य किये है उन्होने गरीब बच्चो को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष किया है और आज वो बच्चे देश के उच्चपदो पर आसीन है। नई पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक के0के0 तिवारी,पूर्व सहायक सूचना निदेशक दशरथ प्रसाद यादव,वरिष्ठ पत्रकार आलोक त्रिपाठी,वरिष्ठ पत्रकार जगवीर सिंह,राम कृष्ण लाल जगमग,प्रेस क्लब के महामन्त्री महेन्द्र तिवारी,वृहस्पति कुमार पाण्डेय,मनमोहन काजू,अचर्ना श्रीवास्तव,संतोष सिंह,सुदृष्टि नारायण त्रिपाठी,प्रियंका श्रीवास्तव,गरिमा

श्रीवास्तव,रहमान अली रहमान,ओम प्रकाश श्रीवास्तव, शिव कुमार रावत,जय प्रकाश गुप्ता,जीत यादव,जय प्रकाश यादव,अमित सिंह,जगमोहन श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव सहित अन्य लोगो ने भी सम्बोधित किया।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार बीके पाण्डेय, सन्दीप गोयल,रुकन्द कुमार शुक्ल, संजय विश्वकर्मा, वशिष्ट पाण्डेय, गौकरन नरायन पाण्डेय,सोहन सिंह, हरि ओम प्रकाश, विरेन्द्र पाण्डेय, सुनील कुमार पाण्डेय, राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र, अरूणेश श्रीवास्तव, साइमन फारूकी, चन्द्र मोहन, दिलीप पाण्डेय, लवकुश यादव,राकेश चौरसिया,अमर सोनी,राम आधार पाल,राकेश सिंह, सुमित जायसवाल,आर्दश,आशीष, रामदीन,रमेश मिश्र,श्री प्रकाश श्रीवास्तव,चन्द्र प्रकाश शर्मा,दिनेश सिंह,धर्मेन्द्र पाण्डेय,देवन्द्र पाण्डेय,राजेश पाण्डेय,सर्वेश श्रीवास्तव,रजेन्द्र उपाध्याय,बीपी दूबे,सन्दीप शुक्ला,दिनेश पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश चन्द्र गुप्ता तथा संचालन विशाल पाण्डेय ने किया।

इसी क्रम मे स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे आयुर्वेदिक एंव युनानी,होम्योपैथिक और एलोपैथ तथा नेत्र शिविर का कैम्प लगवाया गया जिसमे लगभग 314 लोगो का जांच पड़ताल किया गया और 398 लोगो मे निःशुल्क दवा का वितरण किया गया।

अनिल कुमार श्रीवास्तव के चतुर्थ पुण्य तिथि पर 10 लोगो महेन्द्र तिवारी,अशुंल आनन्द,अमन श्रीवास्तव, डाक्टर अजीत श्रीवास्तव,सन्दीप शुक्ला,राम कुमार गुप्ता,लवकुश सिंह,अनुराग कुमार श्रीवास्तव, सुदृष्टि नारायन तिवारी,राजेश पाण्डेय ने रक्त दान करके रक्त दान जीवन दान के कार्यक्रम मे अपना अहम योगदान दिया ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 सितम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

केजरीवाल का इस्तीफा दांव

एक बार फिर साबित हुआ कि अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर सुजान हैं। वे भी आपदा को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। शीर्ष अदालत से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर केजरीवाल ने एक बार फिर से चौंकाया है। कयास लगे थे कि अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वहीं उनकी पत्नी को भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कहा जा रहा था। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में एक परंपरा रही है कि किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप दी जाती थी। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। जैसे बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। विगत के ऐसे प्रसंग भी हैं जब कानूनी बाध्यताओं के चलते पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री का पद दिया गया तो उसकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा हिलोरे लेने लगी। विगत में बिहार और झारखंड में ऐसे प्रसंग सामने आए। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, वे कुल मिलाकर निशाने पर लगते नजर आए हैं। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक दबाव तो बना दिया है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से कुछ महीने पहले महाराष्ट्र के साथ कराने की मांग करके आप ने दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। लेकिन यदि केजरीवाल शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो शायद उन्हें इसका ज्यादा लाभ मिलता, जैसे कि लालकृष्ण आडवाणी ने कतिपय राजनीतिक आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था।

बहरहाल, केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची–समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है। वहीं तय समय से तीन माह पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने की मांग करके उन्होंने जता दिया है कि आप चुनाव अभियान के लिये तैयार है। दरअसल, केजरीवाल वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव को दोहराना चाहते हैं, जिसके बाद 2015 में आम आदमी पार्टी को भारी जीत मिली थी। लेकिन इस बार की स्थितियां खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह जुआ मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। जिसे विपक्ष ने पार्टी की घटती लोकप्रियता के रूप में दर्शाया था। दरअसल,बुनियादी प्रशासनिक ढांचे की खामियां व भाजपा के लगातार हमलों ने आप को बचाव की मुद्रा में ला खड़ा कर दिया था। वहीं दूसरी ओर आप सरकार की कल्याणकारी योजनाएं अभी भी मतदाताओं को पसंद आ रही हैं। अब आने वाला वक्त बताएगा कि इस्तीफे का पैंतरा आप को राजनीतिक रूप से कितना रास आता है। वहीं दूसरी ओर कयास लगाए जा रहे हैं कि केजरीवाल के इस पैंतरे से तेज हुई राजनीतिक सरगर्मियों का असर पड़ोसी राज्य हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी दिख सकता है। चुनाव में इंडिया गठबंधन से मुक्त आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। जिसका कुछ लाभ भाजपा को भी हो सकता है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि चुनौतियों से जूझती पार्टी अपना जनाधार किस हद तक मजबूत कर पाती है। वहीं दूसरी ओर जनता की अदालत में दिल्ली सरकार की फ्री पानी–बिजली व सरकारी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा कराने की नीति की भी परीक्षा होनी है।

चुनावों में डिजिटल अभियान,पर कितना भरोसा

–प्रियंका सौरभ–

आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके।

गूगल विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, राजनीतिक दलों एवं उनके सहयोगियों ने 1 जनवरी से 10 अप्रैल के बीच अकेले गूगल विज्ञापनों पर लगभग 117 करोड़ खर्च किए। डिजिटल अभियान खर्च में यह वृद्धि चुनावों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है, जबकि राजनीतिक दलों के बीच कंटेंट विनियमन तथा निष्पक्षता के बारे में चिंता बढ़ाती है। आधुनिक चुनावों में डिजिटल अभियान एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है, मतदाताओं तक इसकी व्यापक पहुँच है, डिजिटल प्लेटफॉर्म ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों सहित लाखों मतदाताओं तक पहुँचने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जनसांख्यिकीय अभियान से वंचित न रह जाए। वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान व्हाट्सएप के व्यापक उपयोग ने राजनीतिक दलों को पूरे भारत में ग्रामीण मतदाताओं से जुड़ने में मदद की, जिससे चुनाव परिणाम काफी प्रभावित हुए हैं। डिजिटल अभियान पारंपरिक मीडिया की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं, जिससे सीमित बजट वाले छोटे लोगों को भी प्रतिस्पर्धा करने एवं मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचने की अनुमति मिलती है।

वर्ष 2015 के दिल्ली चुनावों में आप की डिजिटल–संचालित रणनीति जैसे उभरते क्षेत्रीय राजनीतिक दल बड़ी पार्टियों की तुलना में न्यूनतम खर्च के बावजूद सफल साबित हुए हैं। डेटा एनालिटिक्स पार्टियों को विशिष्ट मतदाता वर्गों के लिए अनुरूपित संदेश बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे उनके मूल्यों एवं चिंताओं से मेल खाने वाले संदेशों के साथ सही दर्शकों तक पहुँचने की संभावना में सुधार होता है। ब्रेक्सिट सहित वैश्विक चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका की सूक्ष्म–लक्ष्यीकरण रणनीतियों ने दिखाया है कि कैसे लक्षित डिजिटल संदेश मतदाता व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। सोशल मीडिया मतदाताओं के साथ वास्तविक समय पर बातचीत करने में सक्षम बनाता है, जिससे राजनीतिक नेताओं को चिंताओं को तेजी से संबोधित करने, जनता की राय को आकार देने एवं तत्काल प्रतिक्रिया के आधार पर अभियान रणनीतियों को समायोजित करने की अनुमति मिलती है। प्रधानमंत्री की सक्रिय दिवटर उपस्थिति ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मतदाताओं के साथ सीधा एवं निरंतर संवाद बनाए रखने की अनुमति दी है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से सोशल मीडिया, युवा मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, जो राजनीतिक कंटेंट का ऑनलाइन उपभोग करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण मतदाता आधार के साथ प्रभावी जुड़ाव सुनिश्चित होता है। वर्ष 2024 के चुनावों में राजनीतिक दलों की इंस्टाग्राम रणनीति विशेष रूप से युवा मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई थी। डिजिटल अभियान, जब जिम्मेदारी से उपयोग किए जाते हैं, तो मतदाताओं को सीधे नीतियों के बारे में सूचित करके, उन्हें सूचित विकल्प चुनने में मदद करके एवं समग्र चुनावी भागीदारी को बढ़ाकर अधिक पारदर्शिता प्रदान कर सकते हैं। वर्ष 2020 के अमेरिकी चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के डिजिटल टाउन हॉल ने महामारी प्रतिबंधों के बावजूद मतदाताओं को उनके साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी।

आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। गूगल के विज्ञापन वैश्विक चुनावों के दौरान उच्च–बजट वाली पार्टियों के पक्ष में पाए गए, जिससे उन्हें मतदाता पहुँच में लाभ मिला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक धुवीकरण बढ़ सकता है एवं अधिक खंडित, शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल बन सकता है, जो रचनात्मक बहस को कम कर देता है। 2019 में फेसबुक विज्ञापनों पर राष्ट्रीय पार्टियों का भारी खर्च छोटे क्षेत्रीय दलों के बजट से कहीं अधिक हो गया। डार्क विज्ञापनों एवं अत्यधिक लक्षित राजनीतिक संदेशों के उपयोग से नियामकों तथा जनता के लिए यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है कि विशिष्ट मतदाता समूहों को कौन सी जानकारी प्रसारित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता कम हो जाती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर पर्याप्त तथ्य–जाँच उपायों को लागू करने में विफल रहते हैं, जिससे झूठे दावे जारी रहते हैं एवं संभावित रूप से गलत या जानबूझकर हेरफेर की गई जानकारी के साथ मतदाताओं को गुमराह किया जाता है। भारत के वर्ष 2019 चुनावों के दौरान फर्जी खबरों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करने के लिए व्हाट्सएप की आलोचना की गई, जिसने मतदाताओं की धारणा को प्रभावित किया। उल्लंघनों के माध्यम से मतदाता डेटा का शोषण राजनीतिक अभियानों को व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर लक्षित संदेश भेजकर मतदाताओं को हेरफेर करने की अनुमति दे सकता है, जिससे मतदाता स्वायत्तता से समझौता हो सकता है। कैम्ब्रिज एनालिटिका घोटाले ने उजागर किया कि भारत सहित विश्व भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए मतदाता डेटा का अनैतिक रूप से उपयोग किया गया था।सरकारों एवं चुनाव निकायों को डिजिटल प्लेटफॉर्मों को गलत सूचना के लिए जिम्मेदार ठहराने तथा झूठे कंटेंट के प्रसार के लिए दंड लागू करने के लिए सख्त नियम लागू करने चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनियमित खर्च के माध्यम से प्राप्त अनुचित लाभ को रोकने के लिए राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल विज्ञापन व्यय का पूरी तरह से खुलासा करने की आवश्यकता होनी चाहिए।

डिजिटल विज्ञापन खर्च पर विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य करने से चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित हो सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म को झूठी सूचनाओं की निगरानी एवं हटाने के लिए स्वतंत्र तथ्य–जाँचकर्ताओं के साथ सहयोग करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल सटीक राजनीतिक संदेश ही मतदाताओं तक पहुँचें। राजनीतिक कंटेंट की व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष के तथ्य–जांचकर्ताओं के साथ फेसबुक की मौजूदा साझेदारी का विस्तार किया जा सकता है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एल्गोरिदम को यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, कि सभी पार्टियों के राजनीतिक विज्ञापनों को पार्टी के वित्तीय संसाधनों की परवाह किए बिना समान प्रदर्शन मिले। लोकतांत्रिक निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए गूगल जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे दलों के विज्ञापनों को बड़े दलों के समान दृश्यता मिले। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों वाला एक केंद्रीकृत डेटाबेस जनता के लिए सुलभ होना चाहिए, जिससे संदेश भेजने में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके एवं गुप्त अभियानों को रोका जा सके।

गूगल का विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे सभी राजनीतिक विज्ञापनों पर अधिक व्यापक डेटा की आवश्यकता है। सरकारों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्मों को हानिकारक राजनीतिक कंटेंट के प्रसार को रोकने तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए सहयोगी ढाँचे के साथ निगरानी को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। डिजिटल अभियान, परिवर्तनकारी होते हुए भी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निरीक्षण की आवश्यकता है। जैसा कि अब्राहम लिंकन ने जोर दिया था, "लोकतंत्र लोगों का, लोगों द्वारा, लोगों के लिए" होना चाहिए। डिजिटल अभियानों में समान पहुँच एवं कंटेंट विनियमन सुनिश्चित करने से लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे तथा डिजिटल युग में चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता बरकरार रहेगी।

हरियाणा चुनाव का दांवपेंच

–निर्मल रानी–

गत 16 सितंबर को हरियाणा में नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि समाप्त हो गयी। प्राप्त समाचारों के अनुसार राज्य में 190 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया है। नाम वापस लेने वालों में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के कई बागी उम्मीदवार भी शामिल हैं। इनमें सिरसा विधानसभा की सीट ऐसी भी है जहां बीजेपी प्रत्याशी रोहतास जांगड़ा ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। रोहतास जांगड़ा ने मीडिया को बताया कि पार्टी के कहने पर ही उन्होंने पर्चा दाखिल किया था और पार्टी के कहने पर ही उन्होंने अपना नाम वापस भी ले लिया है। कयास लगाये जा रहे हैं कि सिरसा विधानसभा सीट पर अब भाजपा हरियाणा लोकहित पार्टी के प्रमुख पूर्व मंत्री गोपाल कांडा को अपना समर्थन दे सकती है। खबर यह भी है कि इस श्सौदेबाजीश के तहत गोपाल कांडा की हरियाणा लोकहित पार्टी रानियां सीट पर अपने उम्मीदवार के बजाये भाजपा उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। अंबाला की दो विधानसभा सीटों को लेकर भी कुछ ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। अम्बाला शहर की सीट पर भाजपा ने यहां से दो बार विधायक रहे असीम गोयल को तीसरी बार भी मैदान में उतरा है। गोयल, नायब सिंह सैनी के मंत्रिमंडल में पहली बार राज्य मंत्री भी बनाये गए हैं। कांग्रेस के दो मजबूत बागी उम्मीदवारों पूर्व विधायक जसबीर मलोर तथा युवा नेता हिम्मत सिंह के नामांकन पत्र भरने की वजह से असीम गोयल के लिये तीसरी बार भी यह सीट जीतना आसान लग रहा था। परन्तु नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन सांसद दीपेंद्र हुडा ने स्वयं अंबाला पहुंचकर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह के पक्ष में इन दोनों कांग्रेस नेताओं के नामांकन वापस करा दिये। इसके बाद अब यह माना जा रहा है कि निर्मल सिंह की जीत का रास्ता प्रशस्त हो गया है।

उधर अम्बाला छावनी की सीट पर गत छः बार के विधायक रहे पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला वैसे तो कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी से है जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। परन्तु इसी सीट पर चित्रा सरवारा भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। चित्रा सरवारा कांग्रेस के अंबाला शहर के प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह की बेटी हैं। 2019 तक चौधरी निर्मल सिंह कांग्रेस में थे। बाद में कांग्रेस छोड़कर कुछ समय के लिये आम आदमी पार्टी में भी शामिल हुये। कुछ समय पूर्व ही पिता–पुत्री की पुनः ' घर वापसी ' हुई है। चित्रा 2019 में भी विज के विरुद्ध निर्दलीय चुनाव लड़कर 44 हजार वोट ले चुकी थीं इसलिये इस बार वह कांग्रेस से टिकट मांग रही थीं। परन्तु पार्टी ने एक ही जिले से पिता पुत्री को एक साथ टिकट न देने का निर्णय तो लिया। परन्तु जिस सक्रियता से निर्मल सिंह के विरुद्ध लड़ने जा रहे दो बागियों के नाम वापस कराये गये उसी तरह स्वयं निर्मल सिंह की बेटी ने अपना नामांकन कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी के पक्ष में वापस क्यों नहीं लिया इस बात को लेकर रहस्य बना हुआ है। बहरहाल नामांकन वापस लेने के बाद अब 90 विधानसभा के लिये 5 अक्टूबर को होने वाले इस चुनाव में विभिन्न दलों के कुल 1031 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना हरियाणा चुनावी दौरा भी शुरू कर दिया है। गत दिनों मोदी जम्मू कश्मीर से एक चुनावी सभा सम्बोधित करने के बाद कुरुक्षेत्र की जन आशीर्वाद रैली में पहुंचे। यहाँ उनके भाषण में मुख्यतः कांग्रेस ही निशाने पर रही। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद व भ्रष्टाचार का आरोप तो लगाया ही साथ ही यह भी बताया कि किस तरह कांग्रेस शासित राज्य वित्तीय संकट से बुरी तरह जूझ रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कथित आर्थिक संकट का जिक्र किया तथा उनकी जनता को मुफ्त दी जाने वाली योजनाओं पर निशाना साधा तथा वित्तीय संकट के लिये इसी श्श्रेवड़ी कल्चरश को जिम्मेदार ठहराया। हिमाचल प्रदेश का नाम लेकर उन्होंने कई उदाहरण भी दिये। हालांकि प्रधानमंत्री के इस आरोप का जवाब देने के लिये कांग्रेस की ओर से अगले ही दिन पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने चंडीगढ़ में एक प्रेस वार्ता की। चिदंबरम ने कांग्रेस शासित राज्यों में आर्थिक संकट के आरोपों को सिरे से खारिज किया और कहा कि प्रधान मंत्री मोदी हमेशा सही नहीं बोलते। हर राज्य की स्थितियां अलग होती हैं। उल्टे चिदंबरम ने हरियाणा की भाजपा सरकार से ही बेरोजगारी, कर्ज और किसानों के मुद्दों पर आंकड़ों के साथ सवाल किये।

उधर तीसरी बार सत्ता में वापसी को आतुर दिखाई दे रही भाजपा के प्रत्याशियों को अनेक विधानसभा क्षेत्रों में जनता खासकर किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ तक कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पूर्व हल्के नारायणगढ़ के भाजपा प्रत्याशी को भी किसानों ने कुछ गावों में घुसने नहीं दिया और नारेबाजी कर उन्हें वापस जाने के लिये मजबूर किया। इसी तरह अनिल विज को भी अपने क्षेत्र में ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। उधर कांग्रेस पार्टी जो कुछ समय पहले तक राज्य में श्वलीन स्वीपश करती दिखाई दे रही थी उसमें अब श्डैमेज कंट्रोल श की जरुरत आ पड़ी है। इसका मुख्य कारण है पार्टी की भीतरी गुटबाजी व इसके कारण पैदा होने वाले विवाद। दरअसल पिछले दिनों हरियाणा में तेजी से एक वीडिओ वायरल हुआ जिसमें कथित रूप से कोई भूपेंद्र हुड्डा समर्थक बुजुर्ग, कुमारी शैलजा के बारे में जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी करता सुनाई दिया। यह वीडिओ कांग्रेस विरोधियों द्वारा यही कहकर प्रसारित की गयी कि श्यह कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा हैश। हालांकि इस आपत्तिजनक वीडिओ के वायरल होने के बाद स्वयं हुडा ने रोहतक में पत्रकारों से बात की और कहा कि –श्शैलजा उनकी बहन हैं और पार्टी की एक सम्मानित नेता हैं। कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकता है, और ऐसे लोगों के लिए पार्टी के अंदर कोई जगह नहीं है। जाति, धर्म के आधार पर लोगों को आपस में लड़वाना बीजेपी का काम है। हुडा ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी का कोई भी शख्स ऐसी बात नहीं कह सकता है।'

बुढ़ापे में स्वास्थ्य का संकट

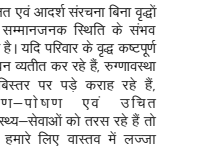

– ललित गर्ग–

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है।

नये भारत–विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण–पोषण एवं उचित स्वास्थ्य–सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा–सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन–व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चो एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019–21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस–नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है।

सपा कार्यालय पर पूजे गये भगवान विश्वकर्मा:जयन्ती पर गोष्ठी का आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जिलाध्यक्ष वैजनाथ शर्मा के संयोजन में विश्वकर्मा जयन्ती उल्लास पूर्वक मनाया गया। विधि विधान से पूजन, के साथ आयोजित गोष्ठी में विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमें सतत अभ्यास, लगन और श्रम की प्रेरणा देते हैं। भगवान विश्वकर्मा सृजन के आदि देव माने जाते हैं जिन्होंने अपने महानतम कर्म से स्वर्णिम इतिहास रचा। विश्वकर्मा एक आदर्श एवं उच्चकोटि के शिल्पी ही नहीं वरन आदि अभियंता हैं।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार ज्ञान का उपयोग करके भगवान विश्वकर्मा ने विष्णु भगवान के लिए सुदर्शन चक्र, शिवजी के लिए त्रिशूल, इंद्र के लिए विजय नामक रथ एवं पुष्पक विमानों का निर्माण किया। जिसे आधुनिक भाषा में क्रमशः प्रक्षेपास्त्र तथा आकाशयान कहते हैं। कहा कि जो लोग निष्ठा से निर्माण क्षेत्र में परिश्रम करते हैं ऐसे अभियन्ता, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा को विधि विधान से पूजते हैं।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के अध्यक्ष वैजनाथ शर्मा ने भगवान विश्वकर्मा के सृजन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा के दिशा निर्देश के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मो0 स्वालेह, हरेश्याम विश्वकर्मा, ब्रम्हानन्द शर्मा, प्रकाश शर्मा, संजय शर्मा, अम्बिका विश्वकर्मा, वारिस, विपुल शर्मा, हेन्त शर्मा, महेन्द्र प्रसाद सोनी, रूपेश विश्वकर्मा, राम अवतार विश्वकर्मा, भीम शर्मा, मनीष शर्मा, अभय विश्वकर्मा, नकुल शर्मा, श्याम जी विश्वकर्मा, शंकर दयाल शर्मा, श्याम सुन्दर यादव, धर्म सिंह शर्मा, अनुराग गौतम, रामजनाथ शर्मा, सूरज, वैजनाथ शर्मा, राज, रामशंकर निराला, कैलाश शर्मा, राम मोहन सिंह, राम दिनेश चौधरी, जनेश्वर चौधरी, गौरीशंकर यादव,

ब्रम्हानन्द शर्मा, बलराम विश्वकर्मा, राम प्रीत शर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, उदयराज विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा,रूपेश विश्वकर्मा, राजनाथ शर्मा, राज गोविन्द, भीम शर्मा, विन्देश्वरी विश्वकर्मा, वीरू विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, कन्हैया शर्मा, हरि प्रसाद शर्मा के साथ ही अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, राम शंकर निराला, कैलाश शर्मा, यदुराम यादव, दीपू चौधरी के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री, बस्ती के प्रभारी आशीष पटेल का अपना दल एस नेताओं ने किया स्वागत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को अपना दल एस जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, अल्पसंख्यक मंच के जिलाध्यक्ष निसार अहमद के संयोजन में कैबिनेट मंत्री एवं बस्ती जनपद प्रभारी आशीष पटेल का टाण्डा पुल के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। आशीष पटेल ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी जनता के बीच कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जाय। उनके स्तर पर जितना संभव होगा स्थानीय स्तर पर जनपद के विकास की गति तेज की जायेगी।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव राम नयन पटेल, प्रदेश महासचिव राम सिंह पटेल ने प्रभारी मंत्री आशीष पटेल को स्थितियों की जानकारी दिया। इस बात पर जोर दिया विकास कार्यों को जमीनी ६ रातल पर क्रियान्वयन कराया जाय। अपना दल एस जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, जिला महासचिव शिव कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक मंच के जिलाध्यक्ष निसार अहमद ने कहा कि निश्चित रूप से आशीष पटेल प्रभारी मंत्री के रूप में विकास योजनाओं को गति देंगे।

जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अपना दल एस के सुखराम पटेल, प्रदीप चौधरी राना, लालचंद पटेल, संजय चौधरी, रामजीत पटेल, सईद खान, अभिषेक आर्य, दुर्गेश चौधरी, पुष्कर चौधरी आदि शामिल रहे।

कोर्ट में पेशी पर आया 25 हजार का इनामी बदमाश भागा, पुलिस एनकाउंटर में गिरफ्तार

संवाददाता—कुशीनगर। न्यायालय पेशी पर आया जौनपुर का 25 हजार इनामी बदमाश फरार हो गया। मंगलवार की देर रात बदमाश का पुलिस से आमना—सामना हो गया। पुलिस ने बदमाश को रुकने के लिए कहा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। दोनों ओर से गोलियों की तड़तड़ाहट शुरू हो गई। पुलिस की फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार करके उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गई। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा की मीडिया सेल ने बताया कि मंगलवार की देर रात थाना कसया, कोतवाली पडरौना, साइबर थाना व स्वाट की संयुक्त टीम कुशीनगर में हिरण्यवती मोड़ के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान न्यायालय से फरार अभियुक्त आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा उसे रोकने का प्रयास किया। तो कुछ दुर पहले रुककर उसने पुलिस पर लक्ष्य साधकर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया।जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम ने फायरिंग की तो पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान देवाजीत उर्फ संजय यादव उर्फ राजा यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी ग्राम डिहियाँ पोस्ट महुवारी थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। पिछले कुछ महीनो से वह अनुरुद्धवा थाना कसया जनपद कुशीनगर में रह रहा था। उसके कब्जे से एक नाजायज तमन्चा 315 बोर, तीन जिन्दा कारतूस व दो खोखा कारतूस बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त देवाजीत उर्फ संजय यादव उर्फ राजा यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी ग्राम डिहियाँ पोस्ट महुवारी थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को जिले की पुलिस ने चोरी के मुकदमें में पकड़कर पिछले दिनों न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय से वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर ने उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। इसके विरुध्द जनपद जौनपुर व कुशीनगर में थानों पर 4 मुकदमें पंजीकृत हैं।

मुठभेड़ में प्रभारी निरीक्षक कसया गिरजेश उपाध्याय, प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना मनोज कुमार पन्त, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पडरौना आशुतोष कुमार सिंह, स्वाट टीम के हवलदार सनातन सिंह अपनी टीमों के साथ मुठभेड़ में शामिल रहे।

प्राविधिक सहायकों का धरना समाप्त

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। प्राविधिक सहायक भानुशंकर पर जानलेवा हमले के मामले को लेकर उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना समाप्त हो गया। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 5 दिनों तक धरना चलाया गया। दोषियों की गिरफ्तारी, धारा बढाये जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी बाबूराम ने प्राविधिक सहायकों का आवाहन किया कि मांगो के पूरा हो जाने के बाद अब धरना समाप्त कर अपने कार्यों पर जुट जांय।

धरने को सफल बनाने में राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद लेखपाल संघ जिलाध्यक्ष राम सुमेर यादव, मंत्री अंकित चौधरी, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के साथ ही प्राविधिक सहायकों ने योगदान दिया।

धरने के समापन के दौरान मुख्य रूप से हेरम्बनाथ त्रिपाठी, दिलीप चौधरी, विजय वर्मा, क्षितिज, मुकेश कुमार, अमित कुमार, अभिमन्यु, आनन्द कुमार सिंह, पवन मिश्रा, रामकृष्ण शुक्ला, हरिलाल जायसवार, राजेन्द्र प्रसाद, वृजेश कुमार निषाद, अरून कुमार, राजू, धर्मेन्द्र वर्मा, पिन्टू कुमार, भानुशंकर के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छत की कुंडी से फंदा लगाकर महिला ने दी जान

संवाददाता—देवरिया। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के निम्रौली नौका टोला में मायका में रह रही एक विवाहिता ने बुधवार की सुबह छत की कुंडी से फंदा लगाकर जान दे दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के मिश्रौली गुन्नी टोला निवासी अच्छेलाल कुशवाहा की शादी पड़ोस के ,मिश्रौली नौका टोला की रहने वाली बबीता देवी (30) से हुआ था। बबिता कभी मायके में तो कभी ससुराल में रहती थी। उसका पति विदेश में है और दस वर्षीय बेटा ससुराल में है। इधर कुछ दिनों से बबीता देवी अपने मायका मिश्रौली नौका टोला में अपनी मां के साथ रहती थी। बताया जाता है कि बुधवार की सुबह पशुओं को चारा खिलाने के बाद बबीता देवी घर में चली गई। उसकी मां दरवाजे पर बैठकर पशुओं की देखभाल कर रही थी। बहुत देर तक उसे बाहर नहीं निकलने पर उसकी मां ने जाकर दरवाजा खटखटाया। दरवाजा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका होने पर शोर किया। शोर सुनकर ग्रामीण जुट गए। ग्रामीणों ने देखा तो बबीता देवी छत की कुंडी में फंदा लगाकर झूल गई थी। परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फंदा से शव उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है।

जयन्ती पर याद किये गये पेरियार, योगदान पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। समाज में फैली कुरीतियों एवं गैर बराबरी को समाप्त करने के लिये आजीवन संघर्ष करने वाले पेरियार ईवी रामास्वामी नायकर को उनके जयन्ती पर याद किया गया। बहुजन समाज पार्टी नेता विकास, विनय, रिंकू वंसल के संयोजन में कुदरहा विकास खण्ड के पाऊं में स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पेरियार ईवी रामास्वामी नायकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर विमर्श किया। बसपा के पूर्व मण्डल प्रभारी के.पी. राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि पेरियार ने कुरीतियों, अंधविश्वास का जमकर विरोध किया। उन्होंने तर्कवाद, आत्म सम्मान और महिला अधिकार जैसे मुद्दों पर जोर देने के साथ ही जाति प्रथा का घोर विरोध किया। दक्षिण भारत में उन्हें पूरी निष्ठा से याद किया जाता है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। संचालन करते हुये बसपा नेता महादेवा के पूर्व विधानसभाध्यक्ष के.सी. मौर्य ने पेरियार के जीवन संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विजय नन्द नाई, विनय अम्बेडर, अनूप, राकेश कुमार गौतम,उत्तम ,राजेन्द्र प्रसाद, मनोज कुमार सोनी, इंद्रजीत, मंजीत, विजयनाथ, भोला राव, हजारीलाल भारती, राम नवल, संदीप, खुशबू, मनीषा, रागिनी, रीमा, श्यामपरी, आँचल, पायल, ओजल बंसल, आरिया बंसल, पिंकी, नितिन ,सत्यम, प्रदीप, सुष्मिता, उषा, प्रवीन ,बुद्धेष ,कुई, नितीश, योगेन्द्र, दुखराम, दयाराम, शिवशंकर, काशीराम, ओम प्रकाश, राम सुमग, बबिता, दयाशंकर, राम मिलन, चंद्रिका,राम चन्दर, बुधिराम, आकाश, गणेश, सुग्रीम, अरुण,पुन्नावासी, तारादेवी, अन्नू,बेबी, उमा,सतीश, अमित, राज कुमार, संतराम, अमरनाथ, हंसराज, विष्णु, रंजीत, सूर्यमुखी, श्यामपरी, रामस्वरूप, श्यामलाल, तौलू चंद्रावती, अनीता, विनोद, रीना, सुनैना, अखिलेश, सिंटू, प्रेमचंद, मंटू, विक्रम, तमेश्वर, सियाराम, श्याम सुन्दर, भमूती ,प्रेमशीला, अंगद सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गौ माता में होता देवताओं का वास —कमल नयन दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। मंगलवार 19 सितंबर को श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ के नवीन परिसर तिउहरा मांझा दर्शन नगर के प्रांगण कुडली श्रृंगेरी महा संस्थान श्री शारदा पीठ शिवमोगा कर्नाटक के शंकराचार्य अभिनव शंकर भारती के द्वारा बनवाए गए गुरु दत्तात्रेय गौशाला का वैदिक विधि विधान पूर्वक 151 बटुक ब्रम्हचारियों के सस्वर वेद मंत्रोचार के साथ श्री मणि राम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास शास्त्री, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रान्त प्रचारक कौशल किशोर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नवग्रह षोडश पूजन, सप्त मात्रिका पूजन बतौर यजमान प्रान्त प्रचारक कौशल किशोर द्वारा किया गया, बाद में 7 गऊ माता का तिलक लगाकर अतिथियों द्वारा ,गुरुकुल के बच्चो के पुष्प वर्षा के बीच गऊ शाला भवन में प्रवेश कराया गया जहा उन्हे फल, मीठा, हलुवा पुड़ी का भोग लगा कर प्रसाद वितरण किया गया। अतिथियों का परिचय गुरुकुल ट्रस्ट के मंत्री वा गुरुकुल निदेशक डॉ दिलीप सिंह ने, वा स्वागत विद्यालय के सह प्रबंधक गुरुकुल भूमि के दान दाता आदर्श सिंह ऋषभ, गुरुकुल ट्रस्ट के कोष प्रमुख प्रो आर के सिंह प्रधानाचार्य नीरज ओझा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि कौशल किशोर ने कहा गुरुकुल और गो माता का प्राचीन काल से अटूट रिश्ता रहा है, जिन पंच शालाओं से पूर्ण गुरुकुल शिक्षा मानी गई है उसमें गऊ सेवा प्रमुख है सभी वेदों में गऊ माता की महिमा उद्धृत है वेदों में गाय को माता माना गया है ओर अथर्व वेद में उन्हें अघन्या यानी वध न किए जाने योग्य बताया गया है, बतौर अध्यक्ष अपने उद्बोधन में महंत कमल नयन दास ने शुक्ल यजुर्वेद में गौ माता के बारे में किए गए वर्णन को विस्तृत रूप में बताया, कार्यक्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा में चयनित गुरुकुल के 26 ब्रह्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गुरुकुल के दोनों शखाओं के आचार्य,बड़ी संख्या में गुरुकुल के अभिभावक प्रबंध समिति के पदाधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर विक्रम पांडे, महानगर प्रचारकसुदीप, जन शिक्षा समिति के पूर्व प्रदेश शिक्षक राजकुमार सिंह आशा भगवान सिंह महाविद्यालय के प्रबंधक नीलमणि सिंह संघ वा उससे जुड़े संगठनों के पदाधिकारी नगर के गणमान्य नागरिक व संत उपस्थित थे। संचालन प्रधानाचार्य नीरज ओझा वा वैदिक पूजन के आचार्य के रूप में वेद के आचार्य अक्षय देवघर,आचार्य अंकित ओझा,आचार्य रोशन जी,गुरुकुल सभा समित के अध्यक्ष रोहित ब्रह्मचारी प्रधानमंत्री उत्कर्ष ब्रह्मचारी रहे,धन्यवाद ज्ञापन पूर्व प्रधानाचार्य दुःख हरण नाथ मिश्र ने किया।

हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ मनायी गयी भगवान विश्वकर्मा जयन्ती

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा की स्थान—स्थान पर पूजा के साथ भण्डारे और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी कड़ी में लघु सिंचाई विभाग डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ व बोरिंग टेक्निशियन संघ मण्डल द्वारा अधिशासी अभियन्ता सुभाष चन्द्र के संयोजन में ब्लाक रोड स्थित अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड के कार्यालय पर विधि विधान से हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ भगवान विश्वकर्मा पूजे गये। सुभाष चन्द ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण के देवता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमरेश श्रीवास्तव, सुभाष पाण्डेय, राहुल श्रीवास्तव, सतीश पाण्डेय, आशीष शुक्ल, मिथिलेश श्रीवास्तव, अजय कुमार, विमल सिह, अभिलाष श्रीवास्तव, राम प्रकाश चौधरी, परविन्दर सिंह के साथ ही अनेक विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय लोग शामिल रहे।

सड़क हादसे में महिला की मौत, युवक घायल

संवाददाता—देवरिया। जिले के सलेमपुर—मैरवा मुख्य मार्ग पर बनकटा थाना क्षेत्र के भठवा पांडेय गांव के समीप बुधवार की सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। युवक की हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। खामपार थाना क्षेत्र के मिस्कारचक चक निवासी सरफुद्दीन (25) व मुन्नी खातून (45) स्व. मुस्तफा बुधवार की सुबह बाइक से कहीं जा रहे थे। रास्ते में बनकटा थाना क्षेत्र के भठवा पांडेय गांव के समीप पहुचे थे कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़फड़ाने लगे। आनन फानन में ग्रामीणों ने उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां चिकित्सकों ने मुन्नी खातून को मृत घोषित कर दिया।

विश्वकर्मा जयन्ती पर वाहनों की पूजा, चलाया स्वच्छता अभियान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत भानपुर कार्यालय पर अविनाश मिश्रा के संयोजन में विश्वकर्मा पूजन का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में निकाय के समस्त वाहनो उपकरणों का विधि— विधान से पूजा की गई।

इसी कड़ी में बैड़वा समय माता मंदिर पर स्थानीय नागरिकों व श्रद्धालुओं द्वारा श्रमदान करने के साथ ही नगर पंचायत के कार्यालय परिसर में पौध रोपे गये। 17 सितम्बर से 20 नवम्बर तक चलने वाले स्वच्छता अभियान हेतु वाहनों की रैली रवाना किया गया।

कार्ययोजना में डोर—टू—डोर कूडा कलेक्शन, परिषदीय विद्यालयों की साफ—सफाई, छात्रों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा, साफ—सफाई, सार्वजनिक क्षेत्र बाजार की सफाई, प्लास्टिक उन्मूलन हेतु लोगों को जागरूक किया गया। 2 अक्टूबर से 155 घंटे का महासफाई अभियान चलाया जायेगा।

कार्यक्रम में वीरेन्द्र कुमार, नितीश, रवि, शिव कुमार, अनिल, योगेश, मुकेश, विनोद, आदित्य, दीपचंद, संदीप, पंकज आदि ने योगदान दिया।

श्री पंचाल विश्वकर्मा सेवा आश्रम में मनाया गया भगवान विश्वकर्मा का जन्मोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का सृजनकर्ता माना गया है और जब अयोध्या में प्रभु श्री राम लला का भव्य मंदिर बन गया है ,ऐसे में भगवान विश्वकर्मा की जयंती वैष्णो नगरी अयोध्या में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। आज के दिन उन सभी स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा की जाती है जहां मशीनों और टूल्स का प्रयोग किया जाता है। कलयुग में भगवान विश्वकर्मा की पूजा हर व्यक्ति के लिए जरूरी और लाभप्रद बताई गई है। कलयुग का संबंध कलपुर्जों से माना जाता है और आज के युग में कलपुर्जे का प्रयोग हर शख्स कर रहा है। लैपटॉप, मोबाइल फोन और टैबलेट भी एक प्रकार की मशीन हैं और इनके बिना आज के युग में रह पाना बहुत मुश्किल है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा की पूजा करना हम सबके लिए बेहद शुभफलदायी मानी जा रही है। श्री राम नगरी अयोध्या में कलपुर्जे कारखानों के साथ—साथ कई मंदिरों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई। रामकोट कटरा मोहल्ला में जैन श्वेतांबर मंदिर के सामने श्री पांचाल विश्वकर्मा सेवा आश्रम मे महंत महेश दास जी महाराज के संयोजन में भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई। सुबह ठाकुर राम जानकी के साथ भगवान विश्वकर्मा का अभिषेक और वैदिक विद्वानों द्वारा विधिवत पूजन अर्चन और हवन किया गया, उसके उपरांत बृहद भंडारे का आयोजन किया गया। महंत महेश दास ने बताया कि पिछले कई वर्षों से भगवान विश्वकर्मा की जयंती के अवसर पर विशेष पूजन अर्चन का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भगवान विश्वकर्मा की वृहद जयंती महोत्सव मनाया गया। जिसमें जगतगुरु परमहंसाचार्य, महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी, महंत रामभिलन शरण, महंत उद्धव शरण, महंत पवनकुमार दास, महंत रामपत दास, महंत अंगद दास, अधिकारी सर्वेश्वर दास, महंत शैलेश दास, पहलवान घनश्याम दास, प्रियेश दास, घनश्याम यादव सहित सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए।

योगी आदित्यनाथ दूसरे विक्रमादित्यः ओम प्रकाश यादव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। योगी आदित्यनाथ इस अयोध्या धाम के लिए दूसरे सम्राट विक्रमादित्य हैं। उन्होंने इस धर्म नगरी की काया पलट दी है। उनकी मंशा को प्रशासन और विकास में संलग्न एजेंसिया सही तरीके से क्रियान्वित नहीं कर रही हैं। पूरी अयोध्या में विकास प्राधिकरण ने जो अपना लोगो लगाया है, उसमें अयोध्या अंग्रेजी में लिखा गया है। जब मातृभाषा को यहीं सम्मान नहीं मिलेगा, तो कहां मिलेगा। पूरी अयोध्या घूम लीजिए कहीं हिन्दी में अयोध्या लिखा मिल जाए तो जानिये। ये बातें विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहीं। वह यहां पर विहिम के संस्थापक पूर्व सांसद गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित संगोष्ठी एवं समरसता भोज के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम कामता प्रसाद सुंदर लाल साकेत महाविद्यालय के राजा जगंबिका प्रताप सिंह सभागार में मंगलवार को आयोजित किया गया। यादव ने कहा कि आज हिन्दू समाज बंटा हुआ है, कटा हुआ है। इसे समरस करने का जिम्मा हमारा है। जातीय संगठन और जातीय अस्मिता सामाजिक समसरता में सबसे बड़े बाधक हैं। जातीय अहमन्यताएं भुलाकर जिस दिन हिन्दू केवल हिन्दू हो जाएगा, उसी दिन भारत हिन्दू राष्ट्र बन जाएगा।

मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश महामंत्री रेखा श्रीवास्तव ने कहा कि समसरता हमारे व्यवहार में आनी चाहिए। यह केवल दिखावा नहीं होना चाहिए। सामाजिक समरसता ही राष्ट्र सशक्त बनेगा। किन्नर महंत कनकेश्वरी देवी ने कहा कि हमारे सामने एकजुट होने के अतरिक्त कोई विकल्प नहीं है। जिस दिन मातृशक्ति समरसता के लिए आगे आ जाएगी, समाज से सारे भेद समाप्त हो जाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष ६ ीरेन्द्र सिंह ने महंत अवेद्यनाथ के जीवन पर चर्चा के क्रम में कहा कि उन्होंने गोरक्षपीठ पीठ की परंपरा ही अभेद समाज की रही है। उसी परंपरा को महंत अवेद्यनाथ ने आगे बढ़ाया और योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्यमंत्री उसी दिशा में कार्य रहे हैं। महानगर मातृशक्ति अध्यक्ष एकता भटनागर ने धर्मांतरण के मुद्दे पर सतर्कत रहने और एकजुट होने की अपील की। संगोष्ठी को कथा व्यास जया मिश्रा, गोरखपुर संभाग प्रभारी दिग्विजय नाथ शाही व जिला उपाध्यक्ष राहुल सिंह ने भी संबोधित किया। महानगर उपाध्यक्ष केसी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत गोरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दूबे, जिला महामंत्री संतोष रावत, जिला उपाध्यक्ष नीरज पाठक, धर्माचार्य प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी महंत अंजनीशरण दास, जिला अध्यक्ष अजय मिश्रा व उपाध्यक्ष पंडित रमेश मिश्र शास्त्री, मातृशक्ति प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पल्लवी वर्मा, महानगर प्रभारी अमिता सिंह, महामंत्री सुधा पांडेय, रूबी रावत, सोनाली गौड़, शारदा सोनी, पं. शिवकुमार मिश्र, दीप सहाय ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, रिंकू सिंह, शेर बहादुर सिंह, छोटू सिंह पूर्व प्रधानाचार्य देवी प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोसेवा विभाग के अनिल मिश्र व चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, गंगा समग्र के उमेश मिश्र, बीएसएनएल के पूर्व मुख्य लेखाकार गिरिजाशंकर मिश्र, राजेश उपाध्याय, अनिल यादव, गौरव मिश्रा, आदर्श शुक्ला नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय विचार मंच के अध्यक्ष शंकर सिंह, समाजसेवी स्मृता तिवारी सहित कई लोगों को सम्मानित किया गया।

सामाजिक समरसता का लक्ष्य पाना है, ऋषियों, संतों की परंपरा से प्रेरित -प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत सिर्फ एक देश नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए एक अपरिहार्य आवश्यकता भी है, इसलिए इसका समर्थ और सशक्त होना अति आवश्यक है। भारत के समर्थ और सशक्त होने के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि जहां सामाजिक समरसता अपने उच्च स्तर पर दिखे। सामाजिक समरसता का भारत पूरे विश्व की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें अपने ऋषियों और संतों की उस परंपरा से प्रेरित होना होगा, जिन्होंने हमें समरस और समर्थ समाज की विरासत दी थी।

विज्ञापन यह सबके लिए गौरवपूर्ण अनुभूति है कि समरस समाज के लिए नाथपंथ, इसके आभिर्भावक शिवावतार महायोगी गोरखनाथ और इस परंपरा के संवहन से अहर्निश एवं अद्यतन जुड़ी गोरक्षपीठ की प्रो. विश्वकर्मा युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के तीसरे दिन सामाजिक समरसता

महायोगी गोरखनाथ और नाथपंथ के विशेष संदर्भ सन्दर्भ में विषयक सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सभ्यता के प्रादुर्भाव काल से ही भारत पूरी दुनिया में अन्य देशों से बिल्कुल भिन्न रहा है। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन से कहते हैं कि भारतवर्ष पूरे विश्व में श्रेष्ठतम है। इसका कारण यह है कि एकमात्र ऐसा देश है जिसके समाज का निर्माण ऋषियों, मुनियों एवं संतों की चिंतन परंपरा से हुआ है। संतों की चिंतन परंपरा ने ही मनुष्य को एक समाज के रूप में सबसे विचारवान प्राणी बनाया। मनुष्यता को केंद्र में रखकर हमारे ऋषियों और संतों ने समाज को जो विरासत दी, उसकी सबसे अमूल्य निधि रही समरसता। संतो द्वारा बनाए गए हमारे समाज की ही विशेषता थी कि हमें वसुधैव कुटुंबकम का दर्शन विरासत में प्राप्त हुआ। प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि जब हमारी विरासत सामाजिक समरसता को लेकर इतनी समृद्धि थी तो यह विचारणीय प्रश्न है कि आज हमें इसे लेकर अलग से चिंतन क्यों करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की सामाजिकता और सामाजिक चिंतन प्रणाली का एक दौर ऐसा भी था जब विदेशी अध्येता भारत का दर्शन करने और यहां के विचार–दर्शन का अध्ययन करने आते थे। उन्होंने कहा कि वाह्य आक्रमण, धर्म परिवर्तन जैसे कारण ही सामाजिक समरसता कम होने के लिए जिम्मेदार नहीं है बल्कि सबसे बड़ा कारण हमारा संतों की परंपरा से विलग होना रहा है।

प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि गोरख पीठ के पेठाधीश्वरों ने सामाजिक समरसता को मजबूत करने मेंअथक प्रयास किए हैं। इस पीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने जातिवाद और अस्पृश्यता से मुक्ति के लिए जो योगदान दिए हैं, वह अतुलनीय हैं। महंतद्वय के नेतृत्व में आगे बढ़ा राम मंदिर का आंदोलन वास्तव में सामाजिक समरसता को भी प्रतिबिंबित करता है। जिस प्रकार भगवान राम ने अपने जीवन में निषादराज, शबरी आदि के माध्यम से सामाजिक समरसता का आदर्श प्रस्तुत किया था, उसी तरह राम मंदिर को लेकर चलाए गए अभियान में भी महंत अवेद्यनाथ ने दलितों, वंचितों को आगे लाकर सामाजिक समरसता को यथार्थ रूप में स्थापित किया। काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा ने कहा कि नाथपंथ सबका और सबके लिए है। यह पंथ किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है। इसकी विशेषता को कोई भी गोरक्षपीठ आकर देख सकता है। गोरक्षपीठ न सदैव समाज को जोड़ने और समरसता बढ़ाने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने का काम किया है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जबलपुर से आए महंत नरिसंह दास ने कहा कि सामाजिक समरसता की जो अलख शिवावतार गुरु गोरखनाथ ने जगाई थी, वह नाथपंथ के संतों के लिए आज भी पथप्रदर्शक है। सम्मेलन की अध्यक्षता गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथनाथ मिश्र, संचालन माधवेंद्र राज, वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ आदित्य पाण्डेय व गौरव तिवारी ने किया।

इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा, अयोध्या के महंत सुरेशदास, नासिक महाराष्ट्र से पधारे योगी विलासनाथ, कटक उड़ीसा से आए महंत शिवनाथ,सवाई आगरा से आए ब्रह्मचारी दासलाल, अयोध्या से आए महंत राममिलनदास, देवीपाटन शक्तिपीठ, तुलसीपुर के महंत मिथलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविन्द्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह ने कई गांवों में लगाया चौपाल कहा– गांव के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत जनता के बीच पहुंचकर सरकार की उपलब्धियां गिनाने और समस्याओं का निराकरण करने का कार्यक्रम लगातार जारी है। विधायक ने बुघवार को विक्रमजोत और परशुरामपुर ब्लॉक के देवकली, नगरा बदली, मेढाइया शुक्ल, रजवापुर और फरेंदा ग्राम पंचायत में चौपाल लगाकर वहां की जनता से मिले। चौपाल में उपस्थित किसान, दलित, महिला, बुजुर्ग, युवा सभी की समस्याओं से अवगत हुए। अधिकतर समस्याओं का मौके पर निराकरण किया तथा कई मामले में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। गांव के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रकार की योजनाएं हैं जिससे गांव की तस्वीर बदल रही है। गरीब परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। कहा कि देश की मोदी सरकार ने विश्व पटल पर देश का नाम रोशन किया है। जिसकी सराहना पूरा विश्व कर रहा है। ।

इस अवसर पर बद्री प्रसाद चौधरी, चिंताराम वर्मा, रंजीत वर्मा, राजकुमार वर्मा, विसई वर्मा, प्रमोद वर्मा, सजीवन वर्मा, काशीराम वर्मा, तन्ना शर्मा, रामसरन, कौशल्यानंद पाण्डेय, अमरपाल चौधरी, अंबिका उपाध्याय, राम बहादुर कोटेदार, पटवारी वर्मा, गुड्डू वर्मा, संतोष पाण्डेय, संजय सिंह, भरत सिंह, सोनू पाण्डेय, शेरा सिंह, आशू सिंह, लल्ला दूबे, अजीत विश्वकर्मा, सचिन आर्या, शोभा चौधरी, रामपाल यादव, विपिन सिंह, सचिन सिंह, राज, भरतलाल पटवा, अंगद वर्मा, शत्रुघन यादव, रामकिशोर गुप्ता, शिवदास गुप्ता, कृपा शंकर, बसंत गुप्ता, संजय वर्मा, सुकई प्रसाद गुप्ता, अनिल कोटेदार सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

गोरखपुर को मिलेगा उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, सीएम योगी आज करेंगे उद्घाटन

संवाददाता–गोरखपुर। बीते सात वर्षों में योगी सरकार ने रामगढ़ताल क्षेत्र का ऐसा कायाकल्प किया है कि इस क्षेत्र की ख्याति गोरखपुर के श्मरीन ड्राइवश की हो गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे डिमांडेड टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित हुए रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा तो पहले से ही है, अब यहां फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का लुत्फ भी उठाया जा सकेगा। नैसर्गिक सौंदर्य वाले रामगढ़ताल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त उत्तर भारत का फ्लोटिंग रेस्टोरेंट बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन गुरुवार 19 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। रामगढ़ताल क्षेत्र पर्यटन और खानपान के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है। इस क्षेत्र में हॉस्पिटैलिटी के तमाम ब्रांडेड प्रतिष्ठानों की दस्तक तो हो ही चुकी है। अब यहां पर्यटकों को रामगढ़ताल में श्फ्लोटश नाम से फ्लोटिंग रेस्टोरेंट यानी पानी पर तैरते रेस्तरां की सुविधा भी मिलेगी। लेक क्वीन क्रूज के बाद फ्लोटिंग रेस्टोरेंट सैलानियों के लिए बड़ी सौगात होगा। दशकों तक उपेक्षित और गंदगी के पर्याय बने रहे रामगढ़ताल पर योगी सरकार ने ऐसी संजीदगी दिखाई कि आज इसकी गिनती पूर्वी उत्तर प्रदेश के खूबसूरत व दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में अग्रपंक्ति में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में निखरे और संवरे रामगढ़ताल के साथ पर्यटन व रोजगार का कदमताल विकास की नई तस्वीर पेश करता है। आज यह ताल सैलानियों का मनभावन है तो बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम भी। सात साल पहले तक उपेक्षा के शिकार रहे रामगढ़ताल की गिनती पूर्वी उत्तर प्रदेश के पसंदीदा पर्यटक स्थल के रूप में हो रही है। जिस 1700 एकड़ विस्तृत प्राकृतिक ताल में शहर भर की गंदगी गिरती थी, वह सीएम योगी के विजन और उसके अनुरूप हुए विकास कार्यों से ऐसी निखर उठी है कि दूर दूर से लोग उसकी खूबसूरती का दीदार करने आ रहे हैं। रामगढ़ताल में पर्यटक 15 दिसंबर 2023 को सीएम योगी के हाथों लोकार्पित 'लेक क्वीन' क्रूज की सवारी का आनंद उठा रहे हैं और अब इस ताल में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर लजीज व्यंजनों का लुत्फ भी उपलब्ध है। फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का निर्माण 17 अगस्त 2022 से शुरू हुआ था और अब यह बनकर तैयार हो चुका है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T202317140307935
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सदर बस्ती जिला–बस्ती
उदयभान आदि
बनाम
ओंकारनाथ आदि

2. राजनरायन पुत्र श्रीराम ग्राम छरौछा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 5/1 क्0 पूजा पुत्री सजनलाल उम्र करीब 10 वर्ष नावालिग जरिये संरक्षिका श्रीमती राजमती पत्नी बीपत दादी हकीकी ग्राम लगुनही तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 8. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी लल्लू 9. श्रीमती परमा देवी पत्नी श्यामलाल 10. श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी नन्दकिशोर 13. चन्द्रभान पुत्र रामवृक्ष साकिनान लगुनही तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मु0नं0– 262/2016
मुतफरिका नम्बर 79/2023
विनोद कुमार आदि
बनाम
जवाहिर आदि

1. जवाहिर 2. मातादीन 3. लालबहादुर 4. शेषनाथ 5. राम उजागिर पुत्रगण स्व0 दुलारे यादव 6. श्रीमती श्यामदेई पत्नी स्वो दुलारे यादव निवासीगण ग्राम धौरूखोर तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 7. हीरालाल 8. दूधनाथ 9. गोरखनाथ 10. महेन्द्र प्रताप पुत्रगण स्व0 विश्वनाथ यादव 11. काशीराम पुत्र भागीरथी 12. राजेश कुमार पुत्र स्व0 परसुराम यादव निवासीगण ग्राम धौरूखोर तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 10 माह 10 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 17 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

महायोगी गोरखनाथ विवि के 4 कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप, प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल बीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने बताया कि सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्तूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रहर समायत अपील
वाद सं0–58/2024
कं0नं0 C 202417000000058
अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
भानु प्रताप सिंह
बनाम
रामभूरत सिंह आदि

1. रामबहादुर सिंह उम्र लगभग 56 साल पुत्र स्व0 हरिवंश सिंह साकिन सुपेलवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. नारायण सिंह उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व0 रामनिरंजन सिंह 3. श्रीमती अन्नपूर्णा उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 रामनिरंजन सिंह साकिन सुपेलवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति जरिये ग्राम प्रधान साकिन सुपेलवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 241/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राजनरायन सिंह
बनाम
श्रीप्रकाश सिंह आदि

1. श्रीप्रकाश सिंह उम्र 90 साल पुत्र श्रीपति सिंह 2. चन्द्रशेखर सिंह उम्र 63 साल 3. राघवेन्द्र सिंह उम्र 57 साल 4. देवेन्द्र प्रताप सिंह उम्र 50 साल पुत्रगण श्रीप्रकाश सिंह 5. अवधेश प्रताप सिंह उम्र लगभग 70 साल 6. कृष्ण प्रताप सिंह उम्र लगभग 61 साल 7. राणा प्रताप सिंह उम्र लगभग 50 साल 8. उदय प्रताप सिंह उम्र लगभग 40 साल पुत्रगण बम्ब बहादुर सिंह 9. शत्रुघन सिंह उम्र लगभग 72 साल पुत्र भगवान सिंह 10. वीरेन्द्र प्रताप सिंह उम्र वालिग पुत्र भारत सिंह निवासीगण ग्राम मरहा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती
राम प्रसाद
बनाम
दुर्गावती आदि

साकिन नरायनपुर/मनिकरपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

1. दुर्गावती पत्नी शिवमूरत साकिन सुकरौली शुक्ल तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. सीमा पत्नी विजयपाल साकिन जसईपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. इन्द्रेश कुमार पुत्र रामजी लाल साकिन कौड़ीकोल बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. मोहित राम पुत्र रामफेर साकिन रसात उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. आशा देवी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद साकिन रसात उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. नगर पंचायत कप्तानगंज

तारीख पेशी 24–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 181/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सूरजलता देवी आदि
बनाम
मुन्नी देवी

1. मुन्नी देवी उम्र लगभग 45 साल पत्नी राजेन्द्र शर्मा साकिन मूडघाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती
राम प्रसाद
बनाम
दुर्गावती आदि

साकिन नरायनपुर/मनिकरपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

1. दुर्गावती पत्नी शिवमूरत साकिन सुकरौली शुक्ल तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. सीमा पत्नी विजयपाल साकिन जसईपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. इन्द्रेश कुमार पुत्र रामजी लाल साकिन कौड़ीकोल बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. मोहित राम पुत्र रामफेर साकिन रसात उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. आशा देवी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद साकिन रसात उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. नगर पंचायत कप्तानगंज

तारीख पेशी 24–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रहर समायत अपील
निगरानी सं0– C 202017000000139/2020
धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
उस्मान अली
बनाम
नरसिंह लाल आदि

1. मोहम्मद रईश पुत्र सफी मोहम्मद 2. अब्दुल माजिद पुत्र सफी मोहम्मद 3. हमीद पुत्र सफी मोहम्मद 4. अब्दुल सलीम पुत्र सफी मोहम्मद 5. शकील अहमद पुत्र रशीद 6. जमील शेख पुत्र रशीद 7. अदील शेख पुत्र रशीद 8. सद्दाम हुसैन पुत्र रशीद 9. श्रीमती सबरून्निशा पत्नी अब्दुल रशीद 10. मोहम्मद अयूब पुत्र अहमद अली 11. लालचन्द पुत्र रामकिशुन 12. रामललित पुत्र रामकिशुन 13. संकटा प्रसाद पुत्र रामकिशुन 14. विक्रम प्रसाद पुत्र रामकिशुन 15. राकेश कुमार पुत्र रामकिशुन साकिनान मौजा हथिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 03 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 209/2013
सत्य नरायन
बनाम
नौशाद आदि

1/1 जावेद अहमद उम्र लगभग 27 साल 1/2 जुनेद अहमद उम्र लगभग 25 साल पुत्रगण स्व0 नौशाद निवासीगण मोहल्ला दक्षिण दरवाजा पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कांग्रेसियों ने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आतंकी बताने वाले बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू समेत अन्य बीजेपी नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को संबोधित ज्ञापन मण्डलायुक्त कार्यालय में सौंप कर उचित कार्रवाई की मांग की। बुधवार की दोपहर आंदोलित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रानी लक्ष्मी बाई पार्क, महात्मा गांधी प्रतिमा से मण्डलायुक्त कार्यालय तक जुलूस निकाला। जोरदार नारेबाजी भी की। कई स्थानों पर पुलिस से प्रतिरोध भी हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष केशव चंद यादव ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ मजबूती के साथ खड़ा है। प्रदर्शन में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शहला अहरारी, अवधेश सिंह, तौक़ीर आलम, फारुख अशरफ, रामजी गिरी, ऋषिकेश मिश्रा, बबलू सिंह, प्रेमलता चतुर्वेदी, कात्यानी मिश्रा, शबिहा शब्दपोस, सत्येंद्र कुमार निषाद, एसपी सिंह, वशिष्ठ मुनि विश्वकर्मा, विक्रमादित्य, गणेश मिश्रा, राम नगीना साहनी, सच्चिदानंद तिवारी, ऋषि चंद गुप्ता, सुखराम यादव आदि उपस्थित रहे।

पट्टीदारों में मारपीट, आठ पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के ग्राम बरगदही में मामूली बात को लेकर पट्टीदारों में मारपीट हो गई। मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर अज्ञ